Deg-I (Hons)
P-I (Hist)

महमूद गजनवी के आक्रमण के धार्मिक एवं आर्थिक कारण :-

धार्मिक कारण (Religious causes)

महमूद गजनवी ने भारत पर आक्रमण के कारण और उद्देश्य के सम्बन्ध में इतिहासकारों के बीच मतभेद है। सर्वप्रथम गजनवी ने इस्लाम धर्म की प्रतिष्ठा को स्थापित करने के उद्देश्य से भारत पर आक्रमण किया था। इस धारणा का प्रतिवाद प्रो० हबीब ने किया है। प्रो० हबीब के अनुसार "महमूद धर्मान्ध नहीं था। वह मुस्लिम उलेमा-वर्ग की आज्ञाओं को स्वीकार करने के लिए तैयार न था। उसके बर्बर कार्यों से इस्लाम धर्म का प्रचार न हुआ, बल्कि इस्लाम धर्म की प्रतिष्ठा संसार की नजर में गिर गई।" इतिहासकार जाफर के विचार में "महमूद के आक्रमण का मुख्य उद्देश्य इस्लाम धर्म का प्रचार के बदले धन लूटना था और उसने सदियों से संचित मन्दिरों के धन को लूटने के लिए अपने आक्रमण का केन्द्र बना लिया था।" उतबी के अनुसार उसके आक्रमण का मुख्य उद्देश्य इस्लाम धर्म का प्रचार और बुत-परस्ती को समाप्त करना था। तुर्क नव मुसलमान थे और

P.T.O

उनमें धार्मिक उत्साह स्वभाविक रूप से अधिक था। महमूद गजनवी ने मन्दिरों एवं मूर्तियों को नष्ट किया था, परन्तु उनके स्थान पर मस्जिदों का निर्माण नहीं किया था। मन्दिर और ~~मस्जिद~~ मूर्तियों को नष्ट करने के पीछे महमूद गजनवी का एकमात्र लक्ष्य धन लूटने के साथ-साथ इस्लाम धर्म की श्रेष्ठता को परिलक्षित करना था। अतः इस दृष्टि से महमूद गजनवी के आक्रमण का कारण धर्म प्रचार और इस्लाम की प्रतिष्ठा को बढ़ाना माना जा सकता है।

आर्थिक कारण (Economic cause)

महमूद गजनवी द्वारा भारत पर आक्रमण का मुख्य कारण अपार सम्पत्ति को लूटना माना जाता है। महमूद धन का लोभी था। उसने मथुरा, कन्नौज, सोमनाथ आदि के मन्दिरों पर आक्रमण कर अपार सम्पत्ति प्राप्त कर ली थी। लूटे हुए धन से महमूद अपने साम्राज्य का विस्तार करना चाहता था। इस दृष्टि से महमूद गजनवी का उद्देश्य शुद्ध आर्थिक लाभ था। उसने जी भर कर भारतीय मन्दिरों को लूटा तथा अपने रिक्त कोष को भरने की चेष्टा की।

समाप्त